Govt Kamla Raja Girls P.G. Autonomous College Gwalior (M.P.)

SYLLABUS FOR HOME SCIENCE SUBJECT

(AS RECOMMENDED BY BOARD OF STUDIES)

SESSION – 2021-22

PROGRAM OUTCOME प्रोग्राम की परिलब्धियां		
1.	PROGRAM TITLE : प्रोग्राम का शीर्षक	B.Sc (Home Science), M.Sc (Human Development),M.Sc(Resource Management), M.Sc (Food and Nutritions), Ph.D बी.एससी (गृहविज्ञान), एम.एससी (मानव विकास), एम.एससी(संसाधन प्रबंध) , एम.एससी(आहार एवं पोषण), पीएच.डी.
2.	PROGRAM TYPE : प्रोग्राम का प्रकार	Regular नियमित
3.	PROGRAM CODE : प्रोग्राम का कोड	
4.	PRE-REQUISITE : पूर्वापेक्षा	
5.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR UG	बी.एससी (गृहविज्ञान) पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के उपरांत विद्यार्थी सक्षम होंगें– 1. परिवार के मूल्य लक्ष्य एवं स्तर के निर्धारण हेतु जागरूक होगें। 2. प्रबंधकीय कौशल एवं निर्णय लेने का कौशल विकसित होगा। 3. वस्त्र उद्योग संबंधी जागरूकता उत्पन्न होंगी। 4. आंतरिक सज्जा के प्रति रूझान व कौशल विकसित होगा। 5. राष्ट्रीय सामुदायिक विकास कार्यक्रमो के प्रति रूझान बढेगा। उनमें स्वयं के योगदान की प्रेरणा उत्तन्न होंगी। 6. उनमें नेतृत्व शीलता का विकास होगा। 7. बेकरी उद्योग के प्रति रोजगार बढने के साथ–साथ जागरूकता में वृद्धि होंगी। 8. भोज्य पदार्थ एवं पेकेजिंग के साथ रूझान व जागरूकता उत्पन्न होगीं। 9. पेरामेडीकल क्षेत्र में सलाहकार एवं आहारनियोजक के रूप में कार्य करने हेतु क्षमता विकसित होंगी। 10. सिंलाई, कढ़ाई एवं फैशन डिजाइनिंग के प्रति रूझान व जागरूकता में वृद्धि होंगी। 11. उनमें पारिवारिक एवं वाह्य पर्यावरण (आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि) के साथ समायोजन करने की क्षमता विकसित होगी। 12. गृह कार्यो को वैज्ञानिक तरीके से करने की क्षमता विकसित होगीं। 13. लिंग भेद शोषण तथा समानता के प्रति जागरूकता उत्पन्न होने के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण में वृद्धि होंगी। 14. प्रभावी संचार कौशल करने की क्षमता में वृद्धि होंगीं।
	स्नातक स्तर के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	After completion B.Sc(Home Science)- 1. Awareness towards family values pools and standard. 2. Develop Managerial skill and decision making power. 3. Develop interest towards textile industries interior decoration flower decoration fashion designing. 4. Develop interest and skill for interior decoration. 5. Increase awareness National community development Programmed devil attract and motivate towards contribution in program. 6. Increase leadership quality. 7. Develop skills and knowledge about baking Industries food preservation and packaging industries 8. Students will understand and get adjustment ability in the family and social relations.

		9. Develop interest and capacity as a worker for dietician in paramedical areas. 10. Develop interest and abilities to establish counselling Centre for physical mental emotional social and political problems. 11. increase interest and awareness towards Dyeing printing weaving handicraft and textile industries 12. To accomplish household work in scientific manner. 13. Increase awareness towards gender difference exploitation and in equality and women empowerment. 14. Improving efficiency in effective communication skills.
6.	PROGRAM OUTCOME (PO) FOR PG	After completion M.sc(Home Science) course- 1. Historical and current component knowledge of different subjects in home science (food and nutrition resource management human development). 2. They will contribute to establish high values in the society. 3. Developed entrepreneurship in them they will become good entrepreneur. 4. They will be able to provide service as worker, trainer, supervisor, manager, entrepreneur, councilor, dietician, home scientist, teacher, professor, project officer, program officer, scientist etc. in government and nongovernment Institution Corporation, industry, work center etc. 5. They will develop adjustment capacity with respect to family and external environment (economic, social, cultural, political etc) 6. They will develop effective communication skills. 7. They will develop abilities to keep family society and Nation healthy and fit. 8. They will be motivated to play role of ideal citizen in solving national disaster
	स्नातकोत्तर स्तर के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	एम.एससी (गृह विज्ञान) का पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात – 1. विद्यार्थियों को गृह विज्ञान के विषयों(आहार एवं पोषण, संसाधन प्रबंध एवं मानव विकास) विषयों के ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिवेश के घटकों का ज्ञान होगा। 2. वे समाज में उच्च मूल्यों को स्थापित करने में अपना योगदान प्रदान कर सकेंगे। 3. उनमें उद्यमिता की भावना का विकास होगा। वे कुशल उद्यमी बन सकेंगे। 4. वे शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं,उपक्रमों, उद्योगों, कार्य केंद्रों, में कार्यकर्ता,ट्रेनर, सुपरवाइजर, मैनेजर, उद्यमी, सलाहकार, आहार नियोजक, ग्रह वैज्ञानिक, शिक्षक, प्राध्यापक, परियोजना अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, वैज्ञानिक आदि विभिन्न रूपों में अपनी सेवाएं देने की योग्यता प्राप्त करेंगे। 5. उनमें पारिवारिक एवं वाह्य पर्यावरण (आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि) के साथ समायोजन करने की क्षमता विकसित होगी। 6. उनमें प्रभावी संचार कौशल की योग्यता विकसित होगी। 7. वे परिवार, समाज व राष्ट्र को स्वास्थ्य व निरोगी रखने की योग्यता विकसित करेंगे। 8. वे राष्ट्रीय आपदाओं के संबंध में आदर्श नागरिक की भूमिका का निर्वाहन करने के लिए प्रेरित होंगे।
7.	PROGRAM	After completion PHD -

	OUTCOME (PO) FOR Ph.D	1. Students will be able to identify past untouchable research aspects and will have curiosity to have research on them. 2. Research scholar will be identify current problems and will have curiosity to research on them. 3. Research scholar will be able to analyse future problems with respect to research work. 4. Research scholar will be able to use new technology in research work.
	पीएच.डी के लिये पाठ्यक्रम की परिलब्धियां	पीएच.डी पूर्ण करने के उपरांत– 1. शोधार्थियों को भूतकाल के अछूते अनुसंधान पहलुओं को पहचानकर उन पर अनुसंधान करने की इच्छा, जिज्ञासा व क्षमता विकसित होगी। 2. शोधार्थियों में समसायियक घटनाओं को पहचानकर अनुसंधान करने की जिज्ञासा व क्षमता विकसित होगी। 3. शोधार्थियों को वर्तमान पारिवारिक एवं वाहा वातावरण की परिस्थितियों का आंकलन कर भावी समस्याओं का अनुमान लगाने एवं निराकण की दृष्टि से शोध कार्य करने हेतु चिंतन , मनन करने के साथ साथ ष्षोध कार्य योजनायें तैयार करने हेतु शिक्षण प्रशिक्षण एवं प्रेरणा प्राप्त होंगी। 4. शोधार्थियों में नवीन तकनीकी ज्ञान का व्यवहारिक क्षेत्र में उपयोग हेतु शोध कार्य कर नवाचार करने की इच्छा व क्षमता विकसित होगी। 5. नवचार शोध प्रवृत्ति का आत्मनिर्भरता में अनुप्रयोग करने की क्षमता विकसित होगी। 6. शोधार्थियों में भावी मार्गदर्षक बनने की क्षमता विकसित होगी।